संपादकीय

सुस्ती के सबक

चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के दौरान अर्थव्यवस्था के आंकड़े निश्चित ही निराश करने वाले हैं। विकास दर का पांच फीसदी रहना बताता है कि अर्थव्यवस्था भले ही मंदी की चपेट में न हो, मगर वह सुस्ती के आगोश में जरूर है। ऐसे में कहना कठिन है कि केंद्र सरकार के उपचारात्मक उपायों तथा बैंकों के विलय का असर अर्थव्यवस्था पर कब तक नजर आयेगा। आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की चिंताओं से सहमत हुआ जा सकता है कि अर्थव्यवस्था पर विचार के लिये राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से हटकर आर्थिक विशेषज्ञों की सलाह को सुना जाना चाहिए। जीडीपी में गिरावट को वे मंदी के भंवर में फंसने का संकेत मानते हैं। तमाम संभावनाओं से भरी अर्थव्यवस्था मोदी सरकार के कुप्रबंधन से मंदी की तरफ बढ़ गई है, जिसके लिये मनमोहन सिंह नोटबंदी और जीएसटी क्रियान्वयन में जल्दबाजी को जिम्मेदार मानते हैं। उत्पादन सेक्टर की विकास दर 0.6 रहने को वे मांग व खपत में गिरावट की प्रतिक्रिया बताते हैं। उनका मानना है कि ऑटोमोबाइल क्षेत्र में नौकरियां जाना ग्रामीण भारत की चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। ऐसे में सरकार को राजनीतिक दुराग्रह से मुक्त होकर समझदार लोगों से बातचीत करके अर्थव्यवस्था को नई राह दिखानी चाहिए। नि:संदेह मनमोहन सिंह अर्थशास्त्री होने के साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी हैं लेकिन कई सेक्टरों में गिरावट के मद्देनजर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अर्थव्यवस्था की रफ्तार में गिरावट आई है और उसके परिणाम भी सामने आने लगे हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सरकार दूरदर्शी नजरिया रखते हुए कदम उठाये, जिससे आम आदमी के साथ ही उद्योग जगत का सरकार में भरोसा बढ़े।

नि:संदेह देश में अर्थव्यवस्था को लेकर सकारात्मक माहौल बनाने की जरूरत है। यदि ऐसा नहीं होता तो आशंका है कि वित्तीय वर्ष की अगली तिमाही के आंकड़ों में गिरावट नजर आये। जरूरी है कि अर्थव्यवस्था को प्राणवायु देने वाले उपायों के प्रभावों का सावधानी से अवलोकन किया जाये। जरूरत इस बात की भी है कि हाल में वित्तमंत्री ने उद्योग जगत को राहत देने के लिये जो कदम उठाये हैं, उससे उद्योग जगत प्रतिस्पर्धी और चुनौतियों से मुकाबला करने वाला बने। सरकार की जिम्मेदारी है कि इसके लिये अनुकूल माहौल बनाया जाये। सरकार को बैंकों के विलयीकरण के साथ-साथ अन्य शेष सुधारों के साथ आगे का सफर तय करना चाहिए। यह ठीक है कि वित्त मंत्रालय ने वर्ष 1991 के सुधारों के अधूरे एजेंडे को पूरा करने के लिये सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की संख्या 27 से घटाकर बारह करने का फैसला किया है। सरकार ने विलय प्रक्रिया को सुचारु बनाने के लिये 55000 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश?की घोषणा की है। यह फैसला कालांतर अर्थव्यवस्था में सुधार में सहायक होगा, बैंकों का परिचालन जटिलताओं से मुक्त होगा, लागत कम होगी, शाखाओं की संख्या कम होगी। लेकिन सवाल यह है कि इस निर्णय से पहले क्या विलय की तार्किकता को लेकर कोई अध्ययन किया गया है? क्या भविष्य में बैंकों में रोजगार के अवसर कम होंगे? ऐसे कई सवाल विद्यमान हैं। नि:संदेह विकास की गति में धीमेपन की वजह से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती का आलम है। अमेरिका व चीन के व्यापार युद्ध का भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है मगर सकारात्मक पक्ष यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के आधारभूत स्तंभ सबल हैं जो 2008 की विश्वव्यापी मंदी से अछूती रहे। संभव है सरकार के हालिया कदमों से अगली तिमाही में अच्छे परिणाम सामने आयें। ठीकठाक मानसून के बाद कृषि क्षेत्र में सुधार के बीच जल्दी ही देश में त्योहारी मौसम आने वाला है, जो मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था के लिये बूस्टर का काम कर सकता है। यह निवेशकों व उपभोक्ताओं का मनोबल बढ़ाने वाला साबित हो सकता है।

देश के सेवा क्षेत्र गतिविधियों में अगस्त में नरमी: पीएमआई

नईदिल्ली (आरएनएस)। देश में नये कारोबार की धीमी वृद्धि दर, रोजगार सृजन एवं उत्पादन में बढ़ोत्तरी के मध्यम दर से बढ़ने के कारण देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियां अगस्त में सुस्त रहीं। एक नये मासिक सर्वेक्षण में बुधवार को यह दिखाया गया है।

आईएचएस मार्किट का इंडिया सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी सूचकांक (पीएमआई) अगस्त में घटकर 52.4 पर रह गया। जुलाई में यह आंकड़ा 53.8 पर था। ये हालिया आंकड़े उत्पादन में बढ़ोत्तरी की दर में कमी को दर्शाते हैं। सूचकांक का 50 से अधिक रहना विस्तार दर्शाता है जबकि 50 से नीचे का सूचकांक संकुचन का संकेत देता है।आईएचएस मार्किट की प्रधान अर्थशास्त्री पी डी लिमा ने कहा, भारत के सेवा क्षेत्र का पीएमआई विनिर्माण क्षेत्र के रुझान के मुताबिक ही है। यह वित्त वर्ष 2019-20 की दूसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था में नरमी की बुरी खबर लेकर आ रहा है।

आईएचएस मार्किट का इंडिया कम्पोजिट पीएमआई आउटपुट सूचकांक घटकर अगस्त में 52.6 रह गया, जो जुलाई में 53.9 पर था। इस सूचकांक में विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र दोनों को शामिल किया जाता है। हालांकि, पीएमआई आउटपुट सूचकांक में लगातार 18वें महीने विस्तार देखने को मिला। वहीं नये ऑर्डर में जुलाई के मुकाबले अगस्त में अधिक नरमी देखने को मिली।

दक्षिण कोरिया को हराकर भारत एशियाई जूनियर टेबल टेनिस के फाइनल में

उलानबटोर (मंगोलिया)। भारतीय लड़कों ने 22वें एशियाई जूनियर एवं कैडेट टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में दक्षिण कोरिया को 3-2 से हराकर फाइनल में जगह पक्की की। टीम ने इसके साथ ही नवंबर में थाईलैंड में होने वाली विश्व जूनियर चैम्पियनशिप का टिकट भी कटा लिया। फाइनल में भारत का सामना चीन से होगा जिसने एक अन्य मुकाबले में चीनी ताइपे को 3-0 से हराया। दूसरी वरीयता प्राप्त भारत के लिए देश के नंबर एक खिलाड़ी मानुष शाह ने पहला मुकाबला जीता लेकिन दूसरे मुकाबले में रेगन अल्बुकर्क को हार का सामना करना पड़ा। तीसरे मुकाबले में अनुक्रम जैन ने जीत दर्ज कर स्कोर को 2-1 कर दिया। इसके बाद मानुष ने अपना मुकाबला गंवा दिया जिससे स्कोर 2-2 होगा। आखिरी मुकाबले में दारोमदार रेगन पर था जिन्होंने जीत दर्ज कर टीम को फाइनल का टिकट दिला दिया।

पेट्रोल-डीजल के दाम में हुआ बदलाव

नईदिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोल और डीजल के दाम में चौथे दिन भी बदलाव नहीं हुआ है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार बुधवार को दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में पेट्रोल के लिए ग्राहकों को क्रमशः 72.01 रुपये, 77.67 रुपये, 74.71 रुपये और 74.80 रुपये प्रति लीटर हो चुका है.

वहीं दूसरी ओर चारों महानगरों में ग्राहकों को डीजल के लिए क्रमश- 65.25 रुपये, 68.41 रुपये, 67.63 रुपये और 68.94 रुपये प्रति लीटर रहा.

पेट्रोल-डीजल के दाम हर दिन घटते-बढ़ते रहते हैं. पेट्रोल-डीजल का नया दाम सुबह 6 बजे से लागू हो जाता है. इनकी कीमत में एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमीशन सब कुछ जोड़ने के बादल इसकी कीमत लगभग दोगुनी हो जाती है. पेट्रोल डीजल की कीमत को अमेरिकी डॉलर का एक्सचेंज रेट, क्रूड ऑयल की कीमत, ईंधन की मांग और अन्य चीजें प्रभावित करती रहती हैं.

ईएसआईसी और एसबीआई ने मिलकर शुरू की नई सर्विस

» 3.6 करोड़ कर्मचारियों के खाते में सीधे आएंगे पैसे

नईदिल्ली (आरएनएस)। कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर सुविधा के लिए भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के साथ समझौता किया है, ताकि वह अपने सभी भागीदारों को सीधे उनके बैंक खाते में भुगतान कर सके. ईएसआईसी ने एक बयान में कहा कि दोनों पक्षों के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं. इसके अनुसार ईएसआईसी के सभी लाभार्थियों को एसबीआई सीधे उनके बैंक खाते में ई-भुगतान की सेवा देगी. यह एकीकृत और स्वचालित प्रक्रिया होगी जिसमें कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं होगा.

बयान के अनुसार बैंक ई-भुगतान से ईएसआईसी के लाभार्थियों के साथ-साथ अन्य भुगतान पाने वालों को भी वास्तविक समय में फायदा पहुंचाएगा. यह समय की बचत और भुगतान में देरी को कम करेगा. इस सुविधा से ईएसआईसी के सभी हिस्सेदारों को लाभ होगा. ईएसआईसी योजना का लाभ उन कर्मचारियों को मिलता है, जिनकी मासिक आय 21 हजार रुपये से कम हो और जो कम से कम 10 कर्मचारियों वाली कंपनी में काम करते हों. आपको बता दें कि 2016 तक मासिक आय की सीमा 15 हजार रुपये थी, जिसे 1 जनवरी, 2017 से बढ़ाकर 21 हजार रुपये किया गया था.

कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच उतार-चढ़ाव के बीच खुला सेंसेक्स

मुंबई (आरएनएस)। दुनियाभर में मंदी की गंभीर आशंका और अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के बीच मिले-जुले वैश्विक संकेतों एवं विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली से बुधवार को शुरुआती कारोबार में घरेलू शेयर बाजार में बहुत अधिक उतार-चढ़ाव का रुख देखने को मिला। बीएसई सेंसेक्स पर पहले 15 मिनट के कारोबार में 200 अंक तक का उतार-चढ़ाव देखने को मिला और वह सुबह साढ़े नौ बजे 11.30 यानी 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 36,551.78 अंक पर रहा। वहीं, एनएसई निफ्टी 4.50 अंक यानी 0.04 प्रतिशत फिसलकर 10,793.40 अंक पर था। इससे पहले मंगलवार को सेंसेक्स 769.88 अंक यानी 2.06 प्रतिशत का गोता लगाकर 36,562.91 अंक एवं निफ्टी 225.35 अंक यानी 2.04 फीसदी टूटकर 10,797.90 अंक पर बंद हुआ था। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सन फार्मा, इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, आरआईएल, मारुति और टाटा मोटर्स के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट का रुख रहा। वहीं, आईटीसी, भारती एयरटेल, एसबीआई, पावरग्रिड, हीरो मोटोकॉर्प, वेदांता और एलएंडटी के शेयरों में बढ़त देखने को मिली।

फीफा ने 2022 कतर वर्ल्ड कप का लोगो जारी किया

दोहा(कतर)। फीफा और कतर की आयोजक समिति ने 2022 में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए आधिकारिक लोगो का अनावरण किया है। दोहा में जब मंगलवार शाम को घड़ी की सूई ने 8:22 बजाए तब विशाल स्क्रीनों पर एक लोगो उभरा। यह लोगो कतर की बड़ी इमारतों और 24 अन्य देशों में देखा गया।

फीफा ने एक बयान में कहा, लोगो पर बने कर्व रेगिस्तान के टीलों के बढ़ने और गिरने का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि लूप नंबर 8 को दर्शाता हैं, जो दर्शाता है कि आठ स्टेडियमों में ये मुकाबले खेले जाएंगे। इस पर एक इनफिनिटी चिह्न भी बना हुआ है, जो टूर्नामेंट के नेचर को दर्शाता है।

समाचार एजेंसी एफे के अनुसार, लोगो की शेप विश्व कप की ट्रोफी जैसी है। लोगो को दोहा से लेकर कुवैत और मोरक्को की कई इमारतों पर दर्शाया गया। हालांकि, इस आयोजन में सऊदी अरब, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और मिस्र शामिल नहीं थे क्योंकि इन सभी देशों ने 2017 में कतर के साथ राजनयिक संबंधों को समाप्त कर दिए थे और गैस-समृद्ध राष्ट्र के साथ व्यापार एवं परिवहन का भी बहिष्कार किया।

इसके अलावा, वर्ल्ड कप का लोगो न्यू यॉर्क, ब्यूनस आयर्स, साओ पाउलो, सैंटियागो, मेक्सिको सिटी, जोहान्सबर्ग, लंदन, पैरिस, बर्लिन, मिलान, मेड्रिड, मॉस्को, मुंबई, सियोल और तुर्की के 10 जिलों में दिखा। आगामी विश्व कप यहां सर्दियों में खेला जाएगा। इतिहास में पहली बार ऐसा होगा क्योंकि कतर की गर्मी खिलाड़ियों के मैच खेलने के अनुकूल नहीं है।

अगस्त में गोल्ड इम्पोर्ट 73 प्रतिशत घटकर 3 साल के निचले स्तर पर आया

नईदिल्ली (आरएनएस)। अगस्त महीने में भारत में गोल्ड इम्पोर्ट 73 फीसदी घटकर 3 साल के निचले स्तर पर आ गया. घरेलू स्तर पर सोने (त्नशद्यस्र) की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी और सोने पर इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ाने जाने से पीली धातु का इम्पोर्ट घटा है. बुधवार को सरकारी सूत्रों ने इसकी जानकारी दी. बता दें कि आम बजट 2019-20 में सोने एवं अन्य बहूमूल्य धातुओं पर इंपोर्ट ड्यूटी को 10 फीसदी से बढ़ाकर 12.5 फीसदी किया गया था.

सूत्रों ने कहा कि अगस्त महीने में भारत में 30 टन सोने का आयात हुआ जबकि पिछले साल समान अवधि में 111.47 टन सोना इम्पोर्ट हुआ था. उन्होंने कहा कि वैल्यू टर्म में देश में सोने का इम्पोर्ट 62 फीसदी गिरकर 1.37 अरब डॉलर रहा.

दुनिया के दूसरे सबसे बड़े कंज्मयूर द्वारा कम आयात से वैश्विक कीमतों में बढ़त हो सकती है जो 6 वर्षों के उच्चतम स्तर के पास कारोबार कर रहा है, लेकिन व्यापार घाटे को कम करने और रुपये का समर्थन करने में दक्षिण एशियाई देश की मदद करते हैं.

आज का राशिफल

मेषः- आज दिन रात चंद्रमा का संचार तुला राशि में होगा। चंद्रमा के इस संचार से तुला राशि वालों के लिए दिन उत्साहवर्धक और सुखद रहेगा।

वृषभः- दिन मिलाजुला रहेगा। संघर्ष के बाद सफलता मिलेगी। लाभ का कोई अवसर मिल सकता है। विरोधियों का पक्ष कमजोर होगा। कार्यक्षेत्र एवं सरकरी क्षेत्र से संबंधित काम में सफलता मिलेगी।

मिथुनः- सितारे आज आप पर मेहरबान हैं। अपनी प्रतिभा का पूर्ण लाभ ले सकेंगे। नई योजनाओं को आरंभ कर सकते हैं, लाभ मिलेगा। मनोरंजन कार्यों पर खर्च होगा।

कर्कः- मन में उथल-पुथल की स्थिति रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। अनावश्यक वाद-विवाद से बचें। किसी बात को लेकर चिंतित होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें। सुनी-सुनाई बात पर विश्वास और अमल न करें।

सिंहः- मनोबल बढ़ेगा और काम में जोखिम उठाने के लिए भी तैयार रहेंगे। आपके पराक्रम और प्रभाव में वृद्धि होगी। मान-प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से सहयोग मिलेगा।

कन्याः- आज आप सुस्ती और थकान महसूस करेंगे। लेन-देन के कार्यों में सावधान रहें। आज किसी को उधार न दें। दिए हुए धन की वापसी की संभावना कम है। काम में अरुचि हो सकती है। धन के खर्च होने का योग है।

तुलाः- आपकी राशि में चंद्रमा का संचार आपको उत्साहित और एक्टिव रहेगा। आज प्रयास अथवा स्वयं कोशिश करने से प्रत्येक कार्य में सफलता मिलेगी।

वृश्चिकः- काम की व्यस्तता रह सकती है। आज कुछ गैर जरूरी खर्चे हो सकते हैं। सगे-संबंधियों से मनमुटाव की आशंका है, वाणी और क्रोध पर संयम रखें।

धनुः- कई मामलों में आज का दिन अनुकूल प्रतीत होगा। आज आपका चित्त प्रसन्न रहेगा। किसी प्रिय व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं।

मकरः- आज किसी नई योजना पर काम कर सकते हैं, सफलता मिलेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यों में रूचि बढ़ेगी। सुख के साधनों में वृद्धि के लिए धन खर्च कर सकते हैं।

कुंभः- आज मन कल्पना में खोया रहेगा। धर्म-कर्म और पारलौकिक विषयों के बारे में सोच-विचार करेंगे। समाज में मान-प्रतिष्ठा का लाभ होगा। यात्रा लाभकारी रहेगी।

मीनः- कार्यक्षेत्र में उलझन की स्थिति रहेगी। आपके व्यवहार से साथी नाराज हो सकते हैं। लापरवाही आपको नुकसान पहुंचा सकती है। वाहन धीमी गति से चलाएं।

बिना दूध वाली मीठी सेवइयां बनाने की रेसिपी...

कई लोग खाने के बाद कुछ मीठा खाना पसंद करते हैं. ऐसे में बेहतर रहता है कि बाहर का कुछ खाने की बजाए घर पर ही कुछ मीठा बना लिया जाए. सेवइयां एक ऐसी ही स्वीट डिश है जिसे आप खाने के बाद खा सकते हैं. अमूमन लोग दूध डालकर सेवइयां बनाते हैं. लेकिन आज आप सीखेंगे बिना दूध वाली मीठी सेवइयां किस तरह से बनती हैं.

सामग्रीः

सेवई- 1ड्ड कप, घी- 2 बड़ी चम्मच, चीनी- ड्ड कप, काजू कतरे हुए- 10, बादाम- 8-10, 4 इलायची।

सेवईं बनाने की रेसिपीः

सबसे पहले कढ़ाई में घी गर्म करें और फिर इसमें 1ड्ड कप सेवइयां डालकर इसके हल्का सुनहरा होने तक भूनें अब इसमें बादाम और काजू डालकर हल्का भूनें. जब यह हल्के भुन जाएं तो इसे एक सूखी प्लेट में निकाल लें गहरी तली के बर्तन में लगभग 2.25 कप पानी डालकर उबालें और इसमें आधा कप चीनी डालकर बीच बीच में तबतक चलाते रहें जब तक चीनी पूरी तरह से घुल न जाए. इसके बाद इसमें भुनी हुई सेवइयां डालकर एक ढक्कन से ढंक दीजिए और 3-4 मिनट तक मद्धम आंच पर पकने दीजिए इसके बाद इसे चलाते हुए इसमें इलायची पाउडर मिलाएं और 5-7 तक चलाते हुए पका लें इसके बाद गैस को ऑफ कर सेवइयों को ढंक कर रख दें थोड़ी देर बाद इन सेवइयों को एक सर्विंग बाउल में निकाल लें.

शब्द सामर्थ्य- 76

बाएं से दाएं :
1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्यभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीढ़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे
1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

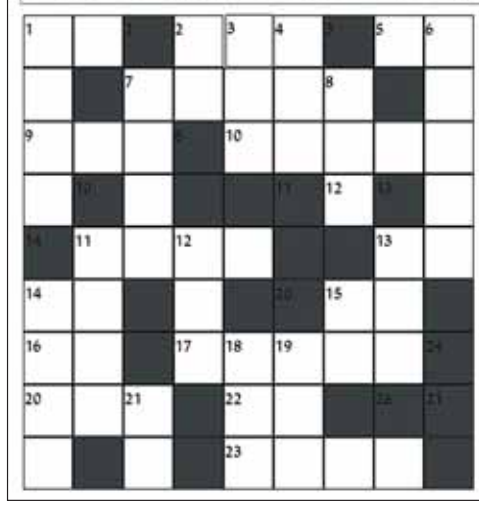

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 75 का हल

ग	ल	त				खा	म	खाँ
णे		ल		झ	प	की		
श	र	ब	त		रं			मि
	ज	गा	ना		प	रा	का	ष्ठा
	नी	र		वि	रा	ज	मा	न
ना	च			प			य	
म	र	णा	स	न्न		पा	नी	
ची			प		पा			भो
न	ज	रा	ना		स	मा	चा	र

सू-दोकू- 76

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.75 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6